Trained Graduate teacher to Post Graduate teacher	1311	1116
Post Graduate teacher to Vice-Principal	657	552
Vice-Principal to Principal	176.	136

(c) and (d) The promotion quota is determined each year on the basis of total vacancies of that year which takes into account the unfilled vacancies of the previous year. For 1997-98, the details of vacancies and promotional postings are as under:

	Vacancies	Promotions
Primary Teacher to Trained Graduate teacher	205	189
Primary Teacher to Head-Mesters	172	164
Trained Graduate teacher to Post Graduate teacher	153	129
Post Graduate teacher to Vice-Principal	145	94
Vice-Principal to Principal	25	19

दिल्ली के स्कूलों में आशुलिपि का शिक्षण

1919. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) दिल्ली के किन-किन स्कूलों में आशुलिपि और टंकण की व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही हैं और उनका ब्यौरा क्या हैं,

कितने स्कूलों द्वारा नया पाठ्यक्रम लागू किया गया हैं, इसकी जांच के लिए कितनी निगरानी समितियां नियुक्त की गई हैं, और उन्होंने कितने स्कूलों का निरीक्षण किया, इनका तिथि-वार ब्यौरा क्या हैं,

(ख) जिन प्रशिक्षकों में नया पाठ्यक्रम लागू नहीं किया हैं उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई है, और

(ग) कितने स्कूलों में पूर्णकालिक प्रशिक्षण नियुक्त किये गये हैं, यदि नहीं,तो इसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया) : (क) और (ख) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने सूचित किया हैं कि 71 विद्यालयों में आशुलिपि का प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं । नई दिल्ली नगर परिषद के तीन विद्यालयों में आशुलिनि/टाइप लेखन का व्यावसयिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता हैं । चालू सत्र में दिल्ली सरकार के चार विद्यालयों में आशुलिपि पाठ्यक्रम शुरू किया गया हैं । व्यावसयिक शैक्षिक कार्यक्रम की मानिटरिंग एक सतत प्रक्रिया हैं । और इसे विशेषज्ञों द्वारा किया जाता हैं ।

(ग) इस तथ्य में रखते हुए प्रश्र नही उठता कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम शिक्षा निदेशक, दिल्ली के अनुमोदन से शुरू किए जाते हैं,

(घ) पाठ्यक्रम के शिक्षण का प्रबंध अल्प-कालिक प्रशिक्षकों की सहायता से किया जा रहा हैं । पूर्ण कालिक प्रशिक्षुकों की नियुक्ति न्यायालय में एक मुकदमें के कारण रोक दी गई हैं ।

Ajwointment of Vocatioaal Experts

1920. SHRI MAHESHWAR SINGH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state;

(a) whether it is a fact that Pandit Sunderlal Sharma Institute of vocational education is, not headed by vocational experts of any field;

(b) whether it is also a fact that the N.C.E.R.T. does not select persons from outside, howsoever qualified they mjiy be, to work in their organisations; and

(c) if so, whether Government would consider the suggestion of appointments to higher posts by the U.P.S.C. so that fair selection could be mad& and the national cause may not suffer?